64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

Item Code: 958 Participant Code: 046

विषय: मिट्टी की पुकार

मिट्टी की मानव

मिट्टी की पुकार में भी कितना ताकत है,
जो घर छोडकर चला गया है
उसे भी यह वापस लौटा सकता है।
उनके मन को बहला सकता है।

मिट्टी और मानव का यह रिश्ता है पुरानी,
इसको तोड़ना भी है मुश्किल भारी।
मानव को मिट्टी से अलग करना
काम नहीं है आसान उतना।

मानव अपनी मिट्टी की पुकार
कभी न कर पाएगा तिरस्कार।
मिट्टी की प्रेम से बचने न पाएगा
मिट्टी की पुकार से लौटना उसे पड़ेगा।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തീയതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

जिस मिट्टी पर मानव खेल-कूदकर बड़ा
होता है, बड़े होकर उसी मिट्टी को
छोड़कर वह चला जाता है। दुबारा
पीछे मुड़कर भी न देखता है।

लेकिन हम कहाँ न जानते हैं कि
हमारे मिट्टी हमें हर रोज़ याद करता है।
हमारे बापस आने की राह देख
वे आज भी इंतेज़ार करता है।

बचपन में जिस मिट्टी से खेलते थे
बड़े होकर उसी मिट्टी से नफरत है।
तब जिस मिट्टी को चूमते थे हम,
अब उसी मिट्टी को छूने से डरते हैं हम।

मिट्टी हमें कभी भी दुख नहीं देता
मिट्टी तो हमें हर तरह से सजा देता।
इस धरती की जो सुंदरता है
इसके पीछे मिट्टी की कुरबाणी छुपा है।

जिस मिट्टी को शाहर की आदमी
देखता भी नहीं, इसी मिट्टी पर
ज़िंदगी गुज़र देते हैं गाव कि आदमी।
मिट्टी को माने वे ज़िंदेगी अपनी।

क्या करोगे मिट्टी से दूर भागकर ?
जब जाना पड़ेगा मिट्टी में हि लौटकर।
मिट्टी से नफरत करके क्या मिलेगा ?
मिट्टी के अंदर हि तो सुकून मिलेगा।

जिस मिट्टी से बनी हो
उसी मिट्टी पर मिल्न जायोगे।
जिस मिट्टी के लिए लड़े हो
उसी मिट्टी पर आँखरी साँस छोड़ोगे।

मिट्टी की पुकार को कोई
ठुकरा न पाएगा, हर हाक
की वक्त आने पर उसे वे
अपने पास पुकार लेगा।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി തിയ്യതി

मिट्टी से जितना भी दूर भागो
लौटना तुम्हें पड़ेगा।
हर लोग की तरह तुम्हे भी
मिट्टी पर समाया जाएगा।